के तू ही मेनू रब दिसदा

किवे मुखड़े तो नज़र ह्टावा के तू ही मेनू रब दिसदा,
दिल करदा है के देखदी ही जावा के तू ही मेनू रब दिसदा,
तेरा हर पल शुकर मनावा के तू ही मेनू रब दिसदा,

मैं हां तेरे चरणा दी दासी,
जनम जन्म दी मैं हां प्यासी,
करो किरपा ते मैं भी तर जावा के तेरे विच रब दिसदा,

तू मेरा हॉवे मैं तेरी होवा,
तेरी मस्ती दे विच खोवा,
तेनु पलका दे अंदर छुपावा,
के तू ही मेनू रब दिसदा....

अपने रंग विच रंगा सतगुरु,
नज़र मेहर दी रखना सतगुरु,
तेरे दर ते मैं झोली फेलाव,
के तू ही मेनू रब दिसदा.....

तू मेरा प्रीतम मैं तेरी दासी,
कटना जन्म जन्म दी फ़ासी,
तेरे चरना च शीश झूकावा,

के तू ही मेनू रब दिसदा

Source:
https://www.bharattemples.com/kiwe-mukhade-to-najar-hatava-ke-tu-hi-mainu-rab-disda-dil-karda-hai-hai-dekhi-jaava/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw